PRINCE POLO
Mob:8422984733

Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | जून 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 07 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

36 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

HYDRAULIC BED LIFTER

CODE	PRODUCT DESCRIPTION	CAPACITY (Kg.)	SET PER BOX	CASE PKG. (Sets)
HW153	HBL MECHANISM 5mm (3')	N/A	1	4
HW154	HBL MECHANISM 5mm (4')	N/A	1	4
HW155	HBL MECHANISM 5mm (5')	N/A	1	4
HW156	HBL MECHANISM 5mm (5') WITH GAS PUMP COMBO	200	1	4
HW157	GAS PUMP (17")	200	1	25

Features
- Perfect Storage and Space saving
- Large opening for easy access under the bed
- Opening from the side or foot of the bed is workable
- Application Industries Beds in Home/ Hotel etc
- Black Finish

GLORIOUS PRODUCT RANGE

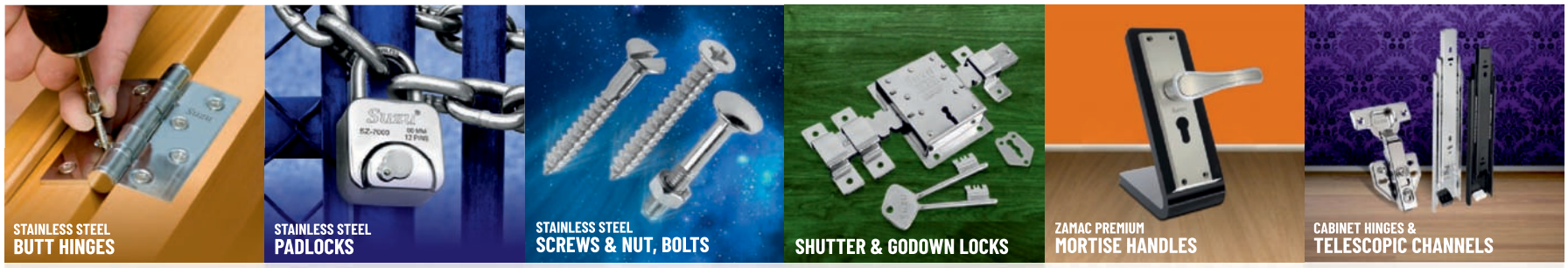

NEWLY LAUNCHED

GRAPHITE BUTT HINGES | ALUMINIUM TOWER BOLTS | PREMIUM MORTISE HANDLES | PREMIUM CABINET HANDLES | PULL HANDLES | MS HEAVY HYDRAULIC CABINET HINGES

FOR CARPENTERS & CONTRACTORS
MISSED CALL ON THIS NUMBER
+91-93151 93969
FOR REGISTERED YOURSELF TO KNOW MORE ABOUT COMPANY'S SPECIAL SCHEMES & BENEFITS.

MANUFACTURER, PAN INDIA MARKETING NETWORK & EXPORTERS LOCKS | HINGES | SCREWS | DOOR HARDWARE

Work At : 110 I.D.C. Hissar Road, Rohtak - 124001, Haryana
Regd./Corporate Office : 209-B, 2nd Floor Crown Heights, Rohini Sec. 10, New Delhi

Cont: +91-9811242777, +91-9911118272
www.suzusteel.com | www.suzu.in
Find us on :

CUSTOMER HELPLINE TOLL FREE NUMBER 1800 12000 4005
Time : 10 AM To 7 PM (Monday - Saturday)

Scan QR Code Download Product Range Catalogue

DISTRIBUTORS & DEALERS ENQUIRY SOLICITED

VOCAL FOR LOCAL

PADLOCKS | BUTT HINGES | TOWER BOLTS | SCREWS | ALDROPS | DOOR AND WINDOW FITTINGS | CABINET HINGES | DOOR CLOSER | MORTISE HANDLES | MPL LOCKS | SHUTTER LOCKS | GODOWN LOCKS | MAIN DOOR LOCKS

Our Global Associates : DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

ओजोन वार्डरोब स्लाइडिंग सिस्टम : सॉफ्ट-ओपन मैकेनिज्म के साथ खुलने वाला स्लाइडिंग सिस्टम्स

खूबसूरत दिखने वाले हर वार्डरोब के साथ एक ऐसा सिस्टम जुड़ा हुआ होता है जो की उसे सही जगह बनाए रखता है और पूरी सटीकता से काम करने में मदद करता है। वार्डरोब कितनी आसानी से स्लाइड होकर बंद हो जाता है और उसे सही तरह से खोलने या बंद करने के लिए कितनी कोशिश करनी पड़ती है ये सब इसी सिस्टम की वजह से हो पाता है। हर बेहतरीन वार्डरोब को एक बेहतरीन सिस्टम की जरुरत होती है और ओजोन वार्डरोब स्लाइडिंग सिस्टम एक ऐसा ही बेहतरीन सिस्टम है। ओजोन वार्डरोब स्लाइडिंग सिस्टम बेहद कम जगह घेरता है और काफी मजबूत भी होता है। स्लीक प्रोफाइल की वजह से यह काम जगह घेरता है और आप उतनी ही जगह में ज्यादा सामान रख सकते हैं साथ ही यह 65 किलोग्राम तक का वजन उठा सकता है। आराम से बिना आवाज किये बंद हो जाने वाला ओजोन स्लाइडिंग सिस्टम ऐसे आधुनिक और ट्रेंडी वार्डरोब्स के लिए बिलकुल सही है जो की सजावट के साथ साथ सुविधा का भी पूरा ख्याल रखें। इंस्टॉल करने/लगाने और रखरखाव में आसान ओजोन वार्डरोब स्लाइडिंग सोल्युशन कई तरह की स्पेसिफिकेशन्स में मिल जाता है जो सबसे आधुनिक और बेहतर वोर्डरोब्स के लिए बिलकुल सही है। सुंदर और सुरुचिपूर्ण/ ऐस्थेटिकली अच्छे दिखने वाले खूबसूरत वार्डरोब्स के लिए खास तौर बार बनाए गए ओजोन वार्डरोब स्लाइडिंग सोल्युशन ट्रैक-लेस भी होते हैं, जिस वजह से वार्डरोब बंद करने पर कोई पट्टी या निशान नजर नहीं आता। आज के समय में जब अधिकांश लोगों के पास एक बड़ी जगह की कमी है, ऐसे में ओजोन वार्डरोब्स स्लाइडिंग सिस्टम कम जगह में एफफिशिएंट वार्डरॉब की सुविधा देता है। जो आपके घर की सुंदरता भी बढ़ता है और साथ ही बेहतर स्पेस मैनेजमेंट में आपकी मदद करता है। ओजोन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर- 18002020204 पर कॉल करें। अधिक जानकारी के लिए www.ozone-india.com पर लॉगिन करें।

1 – युनि –लाईन वार्डरॉब स्लाइडिंग सिस्टम

हाई –एन्ड 2 डोर वार्डरॉब स्लाइडिंग सिस्टम, सॉफ्ट–ओपन और सॉफ्ट–क्लोज फीचर फॉर कन्वीनियन्स
सूटेबल फॉर वुडेन एंड एल्युमीनियम फ्रेम्ड ग्लास डोर्स
स्पेसिफिकेशन्स:
यूस्ड आन डोर्स वेहिंग 60 kg ईच
सूटेबल फॉर वार्डरॉब विड्थ 2100 mm, 3000mm

2 – टॉप ग्लाइड सिस्टम –1

मैक्सीमाइजेस स्पेस यूटिलाइजेशन, वेयर इन ट्रैक्स आर नॉट विजिबल
सूटेबल फॉर डबल डोर वॉरड्रोब्स
स्पेसिफिकेशन्स:
डोर इंस्टालेशन: इनसेट
ट्रैक मॉउंटिंग: टॉप
डोर थिकनेस: 18–24 mm
वेट कैरिंग कैपेसिटी: 50 kg

3 – टॉप ग्लाइड सिस्टम – 22

मैक्सीमाइजेस स्पेस यूटिलाइजेशन, वेयर इन ट्रैक्स आर नॉट विजिबल
डोर इंस्टालेशन: ओवरले
कैन आल्सो बी यूस्ड फॉर वार्डरॉब अपटू 10 ft
स्पेसिफिकेशन्स:
ट्रैक मॉउंटिंग: टॉप
एप्लीकेशन टाइप: डबल डोर
डोर थिकनेस: 18–28 mm
वेट कैरिंग कैपेसिटी: 50 kg

4 – ओजो लाइन 65 बॉटम ग्लाइड

कम्स विथ ओवरलैपिंग ड्यूल डोर सिस्टम
सूटेबल यूज विथ सिंगल एज वेल एज डबल ट्रैक
फिटेड विथ ए एक्सीलेंट क्वालिटी – सुपीरियर स्प्रिंग मैकेनिज्म फॉर रोलरस बेटर ग्रिप आन दा ट्रैक
हाइली कनविनिएंट इन टर्म्स ऑफ फंक्शनिंग
हाई डूरबिलिटी अलोंगविथ सॉफ्ट क्लोज – ओपनिंग फंक्शन
स्पेसिफिकेशन्स:
डोर टाइप: वुडेन
एप्लीकेशन टाइप: ड्यूल डोर
डोर वेट: अपटू 65 kg
डोर थिकनेस: 18–25 mm

गोल्डमेडल इलेक्ट्रिकल्स ने लांच की दमदार सीलिंग फैन इनसिग्निया

मुंबई। गोल्डमेडल इलेक्ट्रिकल्स ने सजावटी सीलिंग पंखे 'इनसिग्निया' के लांच की घोषणा की है। कंपनी ने पिछले वर्ष पंखों के सेगमेंट में कदम रखा था और तभी से यह अपने सीलिंग फैन पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। कंपनी भारत को असल में आत्मनिर्भर बनाने के सरकार के मिशन के अनुरूप काम कर रही है और इसने इनसिग्निया पंखे को भारत में बनाया है।

सजावटी पंखा इनसिग्निया आकर्षक होने के साथ-साथ बहुत कार्यात्मक भी है और बहुत तेज ठंडी हवा देता है, जिससे भारतीय उपभोक्ता को भीषण गर्मी का सामना करने में मदद मिलती है। इनसिग्निया को प्रीमियम फिटिंग्स के साथ बड़ी सावधानी से डिजाइन किया गया है, जो हर आधुनिक घर की सुंदरता से मेल खाती है। इनसिग्निया के ब्लेड्स एयरोडायनैमिक के मामले में उन्नत है और बहुत शांत रहते हुए बेहतरीन हवा देते हैं। मोटर में हाई-ग्रेड कॉपर के इस्तेमाल से वह मजबूत और टिकाऊ हो जाती है। शक्तिशाली मोटर के कारण यह पंखा तेज गति में भी सुगमता और शांति के साथ चल सकता है। यह काफी सक्षम पंखा है, जिसके पास 1200एमएम का स्वीप है और यह 380 आरपीएम की गति पर 230 सीएमएम की बेजोड़ एयर डिलीवरी करता है। इनसिग्निया तीन रोमांचक रंगों एंजेल व्हाइट, टोपाज गोल्ड और इंडिगो ब्लू में उपलब्ध है।

गोल्डमेडल इलेक्ट्रिकल्स के निदेशक बिशन जैन ने इस पंखे के लांच पर अपनी बात रखते हुए कहा कि हम अपने उपभोक्ताओं के लिये एक और भव्य सीलिंग पंखे की पेशकश करते हुए काफी खुश हैं, खासकर जब गर्मी अपने चरम पर है। इनसिग्निया हमारे उन हाई-स्पीड फैंस में से एक है, जो अपनी सबसे तेज गति पर भी बिना आवाज किये चलता है। यह दिखने में आकर्षक और आधुनिक है और किसी भी आधुनिक घर की सजावट के साथ आसानी से मेल खाएगा। इस उत्पाद को पेश करते हुए हम रोमांचित हैं और हमें यकीन है कि इसे हमारे ग्राहकों से अच्छा प्रतिसाद मिलेगा।

गोल्डमेडल उपभोक्ता पर केन्द्रित पंखे को पेश करके लगातार अपने ग्राहकों की संख्या बढ़ा रही है और पूरे भारत में वृद्धि करने के लिये अपने ब्राण्ड की भरोसेमंद छवि का फायदा उठा रही है। सीलिंग फैंस, टेबल फैंस, वॉल फैंस, पर्सनल, पेडेस्टल, पोर्टेबल, एक्सियल और वेंटिलेशन फैंस गोल्डमेडल की पंखों की श्रेणी में है। गोल्डमेडल फैंस दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में, पूर्वी भारत के पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, बिहार, उत्तर प्रदेश में और उत्तर भारत के दिल्ली एनसीआर, जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और असम में उपलब्ध है।

गोल्डमेडल इलेक्ट्रिकल्स एक देशी इलेक्ट्रिकल कंपनी है, जिसकी स्थापना 1979 में ऐसे इलेक्ट्रिकल स्विचेस और एसेसरीज बनाने के विचार से हुई थी, जो उपभोक्ताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं। कंपनी उद्योग में उच्च गुणवत्ता के वायरिंग डिवाइसेस बनाने और कई नवाचार करने के लिये जानी जाती है। कंपनी की विनिर्माण इकाइयां मुंबई के बाहर वसई, राजस्थान के भिवाड़ी और आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा में है। यह उद्योग की उन कुछ कंपनियों में शामिल है, जिनके पास पूरी तरह से इन-हाउस, अत्याधुनिक टूल रूम और परीक्षण की सुविधा है। यह कंपनी आवासीय भवनों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिये इलेक्ट्रिकल उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला जैसे विभिन्न प्रकार के स्विचेस, होम ऑटोमेशन सिस्टम्स, एलईडी, पंखे, सिक्योरिटी सिस्टम्स, मनोरंजन के उपकरण, दरवाजे की घंटियाँ, वायर, केबल, डीबी, आदि का विनिर्माण करती है।

सिस्का समूह ने लॉन्च किया एलईडी स्लिम पैनल

मुंबई। एलईडी लाइटिंग प्रौद्योगिकी में अग्रणी सिस्का समूह ने सिस्का एलईडी स्लिम पैनल एसएसके-आरडीएल-पी-आर और एसएसके-आरडीएल-पी-एस लॉन्च किया। सिस्का उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने वाले अभिनव उत्पादों को लॉन्च करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। सिस्का का उद्देश्य उपभोक्ताओं के प्रकाश अनुभव को बेहतर बनाना और समृद्ध करना है। इन विशिष्ट सिस्का एलईडी स्लिम पैनल्स को आसानी से लगाया जा सकता है और इन्हें घरों, मॉल, स्टोर, शोरूम व कार्यस्थल पर इनडोर उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। ये पैनल 10 वाट, 15 वाट, 20 वाट और 25 वाट में उपलब्ध हैं और दो आकारों, गोलाकार एवं वगार्कार में आते हैं। इनमें उच्च सुरक्षा कारक हैं और इसका ऊष्मा अपव्यय नहीं होता है। इनपुट वोल्टेज रेंज एसी 220 -240 V -, 50/60 हर्ट्ज है और लुमेन 1000lm, 1500lm, 2000lm, 2500lm के रूप में हैं।

सिस्का एलईडी स्लिम पैनल पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित हैं, ये लंबे समय तक चलने वाले हैं और इनमें ऊर्जा की खपत भी कम होती है। एलईडी स्लिम पैनल का डिजाइन आकर्षक और सुव्यवस्थित है जो देखने में बेहद खूबसूरत है। प्रकाश का तेज चटक एक समान वितरण आंखों पर जोर नहीं पड़ने देता है और विजुअल फैटिग को कम करता है। सिस्का एलईडी स्लिम पैनल्स के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए सिस्का समूह के निदेशक राजेश उत्तमचंदानी ने कहा कि हम विभिन्न प्रकार की ऊर्जा दक्ष लाइट्स और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पादों को वितरित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो अपने समय से कई साल आगे हैं। इस उत्पाद को बेहतर प्रकाश अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था जो इनडोर अधिक सुविधा प्रदान करने में योगदान देगा। हमारी योजना भारतीय एलईडी लाइटिंग बाजार में अग्रणी और क्रांतिकारी बदलाव जारी रखना है। यह उत्पाद भारत सरकार के मेक इन इंडिया कार्यक्रम के अनुरूप और भारत को एक विश्वव्यापी विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से बनाया गया है।

कारपेंटर्स न्यूज

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | twitter.com/carpentersnews1 | Telegram: https://t.me/carpenters_news

संपर्क करें : Mo. 9320566633 | Email: carpentersnews@gmail.com | **ईपेपर :** http://cwaindia.org/ePaper/

मुंबई | जून 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 07 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

आइकिया का स्टोर बेंगलुरू में

बेंगलुरू। दुनिया की सबसे बड़ी फर्नीचर रिटेल ब्रांड कंपनी आइकिया 22 जून को बेंगलुरू में स्टोर खोलेगी। मुंबई और हैदराबाद के बाद बेंगलुरू में आइकिया का तीसरा स्टोर होगा। बेंगलुरू स्टोर पांच लाख वर्ग फुट में फैला हुआ है और 800-1000 प्रत्यक्ष श्रमिकों और अन्य 1,500 अप्रत्यक्ष रूप से असेंबली और डिलीवरी जैसी सेवाएं प्रदान करने वालों को रोजगार देगी।

कारपेंटरों को फर्नीचर कंपनियों से खतरा नहीं

यमुनानगर। कारपेंटर उद्योग व्यापार मंडल के चेयरमैन हरदीप सिंह (काला) ने कहा कि देश में चाहे कितनी भी फर्नीचर कंपनियां खुल जाएं, कारपेंटरी व्यवसाय को कोई खत्म नहीं कर सकता है।

सेवनसीज होटल में कारपेंटर उद्योग व्यापार मंडल के बैठक को संबोधित करते हुए हरदीप सिंह ने कहा कि कारपेंटरी व्यवसाय ग्राहकों के विश्वास पर टिका है। ग्राहक जब पैसा खर्च करता है तो वह चाहता है कि उसके घर, ऑफिस, दुकान आदि का फर्नीचर सुन्दर और मजबूत हो। कारपेंटरों द्वारा बनाया गया फर्नीचर घर में दूसरी तीसरी पीढ़ी तक चलता है। जब कि रेडीमेड फर्नीचर दो चार सालों में मजबूती खोने लगता है। उन्होंने कहा कि जब तक घर बनता रहेगा, कारपेंटरों का व्यवसाय चलता रहेगा। कारपेंटरों को अपने ग्राहकों का विश्वास बनाये रखना होगा।

कारपेंटर उद्योग व्यापार मंडल के प्रधान जसबीर सिंह (टीटू) ने कहा कि फर्नीचर ठेकेदारों में कारीगरी के रेट को लेकर कम्पटीशन है। हमारे बीच रेट कम्पटीशन होने के कारण हमें अपनी मेहनत का सही फायदा नहीं मिल पाता। इस लिए कारपेंटर उद्योग व्यापार मंडल ने आम सहमति से फर्नीचर कारीगरी का रेट मानक बनाया है। छोटे ठेकेदार इस रेट को तोड़कर काम नहीं करेंगे। अगर उनके पास काम नहीं है तो वे बड़े ठेकेदारों से संपर्क करें।

सचिव सुरजीत शर्मा ने कहा कि वुड वर्किंग कार्य में हमें दक्षता हासिल है मगर हमारे बीच आपसी व्यवसायी सामंजस्य

कारपेंटर उद्योग मंडल ने तय किया कारीगरी का रेट

नहीं होने के कारण फायदा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कारपेंटर मंडल ने इस दिशा में पहल करके सभी कारपेंटर भाइयों के व्यवसायी हित के लिए रेट मानक तय किया है, अब हम सबको इसी रेट पर काम करना होगा। इस अवसर पर कारपेंटर उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष कमल धीमान, मीडिया प्रभारी विजेंदर धीमान, ओमपाल धीमान आदि ने भी विचार रखे।

फर्नीचर के लिए ऑनलाइन मिलेगी सागौन

भोपाल। सागौन यानि सागवान, शीशम और अंजन आदि को फर्नीचर के लिए लकड़ी की सबसे अच्छी वेरायटी माना जाता है। अब विभिन्न प्रजातियों की लकड़ियों को खरीदने के लिए वन विभाग के डिपो तक नहीं जाना होगा। बरसों पुरानी नीलामी की व्यवस्था को अब विभाग ने बदल दिया है। प्रदेशभर में पाई जाने वाली अनेकानेक प्रजातियों की लकड़ियों की अब आनलाइन बिक्री होगी। प्रदेश में अब 120 से अधिक प्रजाति की लकड़ियों के लिए व्यापारी ई-नीलामी के तहत बोली लगा सकेंगे। यह व्यवस्था राज्य में जून से शुरू होने जा रही है। इसके लिए वनकर्मियों को ई-नीलामी से जुड़ी प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

E3 PVC EDGE BAND TAPE

कारपेंटर भाइयों की पहली पसंद

भारत में निर्मित

रहे हमेशा नई जैसी

लगाने में आसान, कभी न उतरे

बचाए आपके फर्नीचर को पानी और दीमक से

1st INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY

E3 elegant | everlasting | economical

+91 70251 70251 | info@e3panels.com | www.e3panels.com

DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA

विश्वकर्मा लाइब्रेरी टीम ने शुरू किया जनचेतना अभियान

विश्वकर्मा लाइव ग्रुप से जुड़े विद्यार्थी

उधमपुर। विश्वकर्मा समाज में जनसंपर्क और जनचेतना अभियान के तहत विश्वकर्मा लाइब्रेरी की एक टीम जम्मू से उधमपुर पहुंची। बलवंत कटारिया के नेतृत्व में आई इस टीम में ओम कटारिया, जोगिंदर अंगोत्रा, संतोष कुमारी, सुमन लता, प्रबीन लता और महेश पंगोत्रा आदि शामिल थे। उधमपुर जिले के गांव चाहनी में विश्वकर्मा समाज के लोगों के साथ बैठक हुई और सामाजिक चेतना व समाज सुधार पर विस्तृत चर्चा हुई। करीब 20 परिवार अपने बच्चों समेत इस बैठक में भाग लिये। 22 विद्यार्थियों के मोबाइल नंबर लिए गए जो विश्वकर्मा लाइव विद्यार्थी ग्रुप में जोड़े जाएंगे। बैठक में उपस्थित सभी विद्यार्थी को कॉपी, मैगजीन और कैलेंडर दिए गए। बैठक आयोजन में मास्टर रतन वर्मा और मास्टर उत्तम चंद वर्मा का विशेष योगदान रहा।

श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी की टीम विश्वकर्मा समाज में जनसंपर्क और जनचेतना अभियान के तहत गांव बजालता में पहुंची। वहां पर विश्वकर्मा समाज के लोगों के सुधार पर चर्चा हुई। बजालता में एक विश्वकर्मा मंदिर बनाने के प्रस्ताव पर चर्चा भी हुई। टीम ने उन्हें भरपूर योगदान का भरोसा दिया। वहां पर विश्वकर्मा मैगजीन और विश्वकर्मा भगवान के कैलेंडर वितरित किए गए। इसके बाद रामबन जिले के सनासर गांव में लखपत राय (रिटायर डीसी) की अध्यक्षता में वहां के लोहार समाज के पिछड़ेपन पर चिंतन हुआ। मैगजीन और कलेंडर बांटे गए। सनासर गांव में लोहार समाज के करीब चालीस परिवार हैं लेकिन इनमें कोई सरकारी कर्मचारी नहीं है। विश्वकर्मा लाइब्रेरी टीम ने संज्ञान लेते हुए उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस मौके पर पंजाब सिंह, चूनी लाल, जोगिंदर सिंह (पंच) मौजूद थे। जनसंपर्क और जनचेतना अभियान के तहत उधमपुर जिले के रैंबल गांव में देसराज के घर पर हुई। मीटिंग का आयोजन युवा नेता अनिल वर्मा ने कराया।

सरदार जस्सा सिंह रामगढ़िया के जन्मदिन पर सम्मान समारोह

लुधियाना। रामगढ़िया फाउंडेशन के प्रधान रघबीर सिंह सोहल व प्रधान सचिव गुरमीत सिंह कुलार के नेतृत्व में महाराजा सरदार जस्सा सिंह रामगढ़िया की 299 वीं जयंती मनाई। इस अवसर पर रामगढ़िया फाउंडेशन ने क्रिस्टल इलेक्ट्रिक कंपनी के सुरजीत सिंह छग्गर को उद्योग और समुदाय के लिए उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

महाराजा सरदार जस्सा सिंह रामगढ़िया का जन्म 5 मई 1723 को उस समय हुआ था, जब पंजाब में मुगल सरकार ने सिखों के नाम को समाप्त करने की ठानी थी। उनके जीवन पर एक संक्षिप्त नजर से पता चलता है कि उन्होंने 'पंजाब दे जम्मया नू नित्त मोहिमां' को अपने जीवन का हिस्सा बनाया था। सिंह बहादुर महाराजा सरदार जस्सा सिंह रामगढ़िया ने भाई बघेल सिंह के साथ दिल्ली के लाल किले पर विजय

प्राप्त की और मुगलों का तख्त-ए -ताऊस गुरु रामदास के चरणों में अर्पित किया, जो आज भी मौजूद है। उन्होंने रामगढ़िया बुंगो का निर्माण करके श्री हरमंदिर साहिब की रक्षा के लिए कदम उठाए।

इस अवसर पर सुखदयाल सिंह बसंत चेयरमैन, रघबीर सिंह सोहल प्रधान,गुरमीत सिंह कुलार प्रधान सचिव, दिनेश सिंह भोगल सचिव, भूपिंदर सिंह सोहल वित्त सचिव, अमरीक सिंह करमसर,यदविंदर सिंह मन्कु, स्वर्ण सिंह महोली, सुखदेव सिंह, रणजीत सिंह कलसी, तेजिंदर सिंह साहिब मशीन टूल्स, सुरजीत सिंह लोटे,गुरमुख सिंह रूपल, निर्भय सिंह गहीर, बलजिंदर सिंह पनेसर, सुखविंदर सिंह बिरदी, सरूप सिंह मथारू आदि मौजूद रहे।

विश्वकर्मा धीमान सभा ने मनाया सरदार जस्सा सिंह रामगढ़िया का जन्मदिन

फगवाड़ा। श्री विश्वकर्मा धीमान सभा फगवाड़ा की ओर से 5 मई को शिरोमणी श्री विश्वकर्मा मंदिर में कौम के महान जरनैल

महाराजा जस्सा सिंह रामगढ़िया व पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह जी का जन्म दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर श्री विश्वकर्मा धीमान सभा के प्रधान बलवंतराय धीमान व सदस्यों ने हवन यज्ञ किया। बलवंतराय धीमान ने महाराजा जस्सा सिंह रामगढ़िया के जन्मदिन की बधाईं दी और कौम के इस महान जनरल के पदचिन्हों पर चलते हुए एकजुट हो कर समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। इस उपरांत प्रधान साहब और समूह सदस्यों की तरफ से श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल कंप्यूटर इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट बांटे गए। लवप्रीत कौर पहले स्थान पर, अंजलि सैनी दूसरे स्थान पर और अजमेर टूरा तीसरे स्थान पर रहे।

इस अवसर पर सभा के सीन. वाइस प्रधान सुरिन्दर पाल धीमान, जनरल सैक्ट्री स. गुरनाम सिंह जूतला, रमेश धीमान, जसपाल सिंह लाल, अरुण रूपराए, भुपिन्दर सिंह जंडू, तरलोक सिंह भोगल, अमोलक सिंह झीता, सुरजीत सिंह विर्दी, इन्द्रजीत सिंह मठारू, हरजीत सिंह भंमरा, जगजीत सिंह चाना और नरिन्दर सिंह भच्चू आदि मौजूद रहे।

विश्वकर्मा समिति मुंबई में शुरू होगा शिक्षण संस्थान

मुंबई। मुंबई में विश्वकर्मा समाज की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था विश्वकर्मा समिति मुंबई ने एकता की ओर एक और कदम बढ़ाया है। विश्वकर्मा समिति ने सांताक्रुज के कालीना स्थित अपने भव्य परिसर में शिक्षण संस्थान शुरू करने का फैसला लिया है। इस बारे में राजेंद्र विश्वकर्मा, अधिवक्ता जेपी शर्मा व सुनील राणा की तीन सदस्यीय टास्क टीम शिक्षा जगत से जुड़े शिक्षा विशेषज्ञों से भी सलाह ले रही है।

टास्क टीम ने पिछली बैठक के बाद लिए गए फैसले पर चर्चा करने के लिए 7 जून विश्वकर्मा समिति मुंबई के परिसर में दोबारा बैठक बुलाई। बैठक में वरिष्ठजनों की मौजूदगी में तीनों कमेटियों ने विभिन्न बैंको में जमा राशि तीन सदस्यीय टास्क टीम को सौंप दिया। सबसे पहले बैठक में पूर्व कार्याध्यक्ष सुनील राणा ने टास्क टीम को अपने तीन साल के कार्यकाल में जुटाए गए धनराशि, जो विश्वकर्मा समिति के विभिन्न बैंक खातों में जमा है, टास्क टीम के हवाले कर दिया।

इसके बाद वरिष्ठ सदस्य लल्लूराम विश्वकर्मा ने दो भंग कार्यकारिणी समितियों की ओर से बैंकों में जमा राशि टास्क टीम को सौंप दिया। इसके अलावा तीनों भंग समितियों की ओर से चेक बुक, फिक्स डिपॉजिट, पास बुक समेत बैंक से संबंधित सभी दस्तावेज टास्क टीम को हवाले कर दिए गए। टास्क टीम की ओर से जे पी शर्मा ने कहा कि चैरिटी कमिश्नर की अनुमति से टास्क टीम जल्द से जल्द विश्वकर्मा समिति का चुनाव कराने और नई कार्यकारिणी के गठन के लिए प्रयास करेगी। शर्मा ने तीनों भंग कमेटियों के सदस्यों से अपील की कि जल्द से जल्द नए बनाए गए सदस्यों की सूची और सदस्यता शुल्क की रसीद टास्क टीम को दी जाए। ताकि टास्क टीम सदस्यों को परिचय पत्र जारी करके चैरिटी कमिश्नर की मंजूरी से नई कार्यकारिणी का चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर सके। उन्होंने कहा कि इस बारे शीघ्र ही एक अपील जारी की जाएगी कि जिनका नाम कार्यालय में लगी सूची में न हो वो अगर सदस्यता शुल्क जमा किए हैं तो कार्यालय में संपर्क करके अपना नाम सूची में डलवा सकते हैं।

बैठक में आम राय से विश्वकर्मा समिति की चार मंजिली इमारत में शिक्षण संस्थान शुरू करने का फैसला किया गया। इसके लिए मुंबई, गुजरात और उत्तर प्रदेश में कई स्कूल-कॉलेज शुरू कर चुके शिक्षाविद मुकेश सावला को बैठक में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

विश्वकर्मा परिसर की प्रशंसा करते हुए मुकेश सावला ने कहा कि यहां उच्चस्तरीय संस्थान शुरू करना और उसे संचालित करना बहुत है। सावला ने कहा कि कालीना जैसे क्षेत्र में होने के कारण विश्वकर्मा समिति का परिसर शिक्षण संस्थान के लिए बहुत अनुकूल हो साबित होगा। यहां कम प्रयास से बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। यहां शुरू होने वाला संस्थान दिन दूनी-रात चौगुनी विकास करेगा।

अधिवक्ता टी. एस. विश्वकर्मा ने कहा कि संस्था की छह मंजिली इमारत की परमिशन है जिसे बिना किसी अतिरिक्त प्रयास से इमारत को दो मंज़िल और ऊपर उठाया जा सकता है, क्योंकि इमारत की नींव भविष्य की योजना को ध्यान में रख कर डाली गई है। इससे एक तिहाई जगह बढ़ जाएगी। बैठक में मोतीलाल विश्वकर्मा, विजयशंकर विश्वकर्मा, रामनरेश विश्वकर्मा और दिनेश शर्मा समेत कई लोगों ने अपने विचार रखे। बैठक में आम राय से यह भी निर्णय लिया गया कि विश्वकर्मा समिति के प्रांगण में समिति को इस मुकाम तक लाने वाले कर्मठ लोगों का नाम शिला पट्ट लगाया जाएगा।

बैठक में पूर्व अध्यक्ष मेवालाल विश्वकर्मा और धनराज शर्मा के अलावा रामनरेश विश्वकर्मा, हरिगोविंद विश्वकर्मा, गंगाराम विश्वकर्मा, प्रकाश प्यारेलाल विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, बृजेश विश्वकर्मा, सुभाष विश्वकर्मा, रमेश शिवी, शोभनाथ विश्वकर्मा, महेंद्र विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, राजन विश्वकर्मा, वीरेंद्र विश्वकर्मा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, परविंदर विश्वकर्मा, लक्ष्मीचंद विश्वकर्मा, रामकुमार विश्वकर्मा, राधेश्याम विश्वकर्मा और रमेश विश्वकर्मा समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

NIKHIL
Mahacol®
The Right Adhesive
महाकोल
हीटफिट
सर्वश्रेष्ठ हीट प्रूफ एडहेसिव
Rs.15
Token
upto
170°C
Mahacol®
HEATFIT
HEAT PROOF ADHESIVE
Perfect for Verticle Lamination
उपलब्ध पैक: 200ML,
500ML, 1LTR और 5LTR
5
MINS
Setting Time

विजय कुमार दत्ता
सी.ई.ओ.

Since 1986

Suzu

An ISO 9001:2015 Certified Company | | CE Certified

सी.ई.ओ. संदेश

सुजू स्टील (इण्डिया) भारत की उन प्रमुख कंपनियों में से एक है, जिन्होंने लॉक्स और डोर हार्डवेयर फिटिंग्स के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई है। सुजू ब्रांड की स्थापना 1986 में हरियाणा के रोहतक में श्री सुशील बंसल और श्री बृजभूषण बंसल के मार्गदर्शन में हुई थी। कंपनी ने विनिर्माण संयंत्रों को जोड़ने के साथ-साथ पूरे देश के बाजार में प्रवेश करने के मामले में जबरदस्त प्रगति की है। हमें यह देखकर गर्व हो रहा है कि श्री अनिमेष बंसल, (निदेशक) और श्री सचिन बंसल, (निदेशक) दोनों भारत में सूजू ब्रांड के भविष्य के बारे में बहुत प्रगतिशील और सकारात्मक हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान उनकी मार्गदर्शक शक्ति से, कंपनी ने 400 से अधिक वितरक विकसित किए हैं और 20000 से अधिक डीलरों के साथ सम्बन्ध स्थापित किया है। 'सुजू स्टील' सरकारी विभाग, बिल्डर्स और व्यापारिक संस्थानों के क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। पिछले 5 वर्षों के दौरान कंपनी ने दुनियाभर में निर्यात के क्षेत्र में विभिन्न श्रेणियों में विस्तार किया है। 'सुजू' का अर्थ है गुणवत्ता और व्यापार में वृद्धि। सुजू स्टील नेव्यापारिक संस्थानों, सरकारी विभागों और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सराहनीय कार्य किया है हम अपनी गुणवत्ता, सेवाओं में निरंतर सुधार कर रहे हैं और दुनिया भर में अपने नेटवर्क को बढ़ा रहे हैं। 'सुजू स्टील' अगले 5 वर्षों में भारत के उच्च श्रेणी के 4 हार्डवेयर ब्रांडों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का लक्ष्य लेकर चल रही है। हम अपने सभी ग्राहकों, व्यापार भागीदारों और उपभोक्ताओं को 'सुजू' ब्रांड के ताले और डोर हार्डवेयर उत्पादों पर विश्वास व समर्थन देने के लिए धन्यवाद देते हैं।

36 Growing Years

सफलता का मंत्र

हमारी पूरी सेल्स और एडमिन टीम उपभोक्ता को संतुष्टि प्रदान करने के लिए सर्वोत्तम गुणवत्ता और सेवाएं देने में विश्वास करती है।
यही हमारी सफलता का मंत्र है।

विजय कुमार दत्ता 'सी.ई.ओ.'

~ Our Global Associates ~

DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

www.suzusteel.com | www.suzu.in

बढ़ई बनकर भगवान विश्वकर्मा ने बनाई जगन्नाथ मंदिर की मूर्तियां

ओडिशा राज्य के तटवर्ती शहर पुरी में भगवान जगन्नाथ का विशाल मंदिर है। जगन्नाथ मंदिर को हिन्दू धर्म में चार धाम से से एक माना गया हैं। पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर भारत के चार पवित्र धामों में से एक है। वर्तमान मंदिर 800 वर्ष से अधिक प्राचीन है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण, जगन्नाथ रूप में विराजित हैं। साथ ही यहां उनके बड़े भाई बलराम (बलभद्र या बलदेव) और उनकी बहन देवी सुभद्रा की पूजा की जाती है।

यहां हर वर्ष भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है, जो भारत ही नहीं वरन विश्व प्रसिद्ध है। जगन्नाथ रथ उत्सव 10 दिन का होता है इस दौरान यहां देशभर से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार जगन्नाथ रथ यात्रा प्रति वर्ष आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को निकाली जाती है। इस वर्ष रथ यात्रा का यह उत्सव 1 जुलाई शुक्रवार को मनाया जायेगा। भगवान श्रीकृष्ण के अवतार जगन्नाथजी की रथयात्रा का पुण्य सौ यज्ञों के समान होता है। इसकी तैयारी अक्षय तृतीया के दिन श्रीकृष्ण, बलराम और सुभद्रा के रथों के निर्माण के साथ शुरू हो जाती है।

रथयात्रा के प्रारंभ को लेकर कथा मिलती है कि रथयात्रा के प्रारंभ को लेकर कथा मिलती है कि राजा इंद्रद्युम्न, जो सपरिवार नीलांचल सागर (उड़ीसा) के पास रहते थे, को समुद्र में एक विशालकाय काष्ठ दिखा। राजा ने उससे विष्णु मूर्ति का निर्माण कराने का निश्चय करते ही वृद्ध बढ़ई के रूप में विश्वकर्मा जी स्वयं प्रस्तुत हो गए। उन्होंने मूर्ति बनाने के लिए एक शर्त रखी कि मैं जिस घर में मूर्ति बनाऊंगा उसमें मूर्ति के पूर्णरूपेण बन जाने तक कोई न आए। राजा ने इसे मान लिया। आज जिस जगह पर श्रीजगन्नाथ जी का मंदिर है उसी के पास एक घर के अंदर वे मूर्ति निर्माण में लग गए। राजा के परिवारजनों को यह ज्ञात न था कि वह वृद्ध बढ़ई कौन है। कई दिन तक घर का द्वार बंद रहने पर महारानी ने सोचा कि बिना खाए-पिये वह बढ़ई कैसे काम कर सकेगा। अब तक वह जीवित भी होगा या मर गया होगा। महारानी ने महाराजा को अपनी सहज शंका से अवगत करवाया। महाराजा के द्वार खुलवाने पर वह वृद्ध बढ़ई कहीं नहीं मिला लेकिन उसके द्वारा अर्द्धनिर्मित श्री जगन्नाथ, सुभद्रा तथा बलराम की काष्ठ मूर्तियां वहां पर मिली। इसके बाद राजा-रानी ने इन मूर्तियों को स्थापित करके पूजा अर्चना शुरू कर दी। तभी से हर वर्ष यह रथयात्रा नगर में निकाली जाती है। जगन्नाथ मंदिर से रथयात्रा शुरू होकर पुरी नगर से गुजरते हुए ये रथ गुंडीचा मंदिर पहुंचती है। यहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा सात दिनों के लिए विश्राम करते हैं। गुंडीचा मंदिर में भगवान जगन्नाथ के दर्शन को 'आड़प-दर्शन' कहा जाता है। गुंडीचा मंदिर को 'गुंडीचा बाड़ी' भी कहते हैं। यह भगवान की मौसी का घर है। इस मंदिर के बारे में पौराणिक मान्यता है कि यहीं पर देवशिल्पी विश्वकर्मा ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी की प्रतिमाओं का निर्माण किया था। कहते हैं कि रथयात्रा के तीसरे दिन यानी पंचमी तिथि को देवी लक्ष्मी, भगवान जगन्नाथ को ढूंढते हुए यहां आती हैं तब द्वैतापति दरवाजा बंद कर देते हैं, जिससे देवी लक्ष्मी रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ देती है और 'हेरा गोहिरी साही पुरी' नामक एक मुहल्ले में, जहां देवी लक्ष्मी का मंदिर है, वहां लौट जाती हैं। बाद में भगवान जगन्नाथ द्वारा रुष्ट देवी लक्ष्मी को मनाने की परंपरा भी है। यह मान-मनौवल संवादों के माध्यम से आयोजित किया जाता है, जो एक अद्भुत भक्ति रस उत्पन्न करती है। आषाढ़ माह के दसवें दिन सभी रथ पुनः मुख्य मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। रथों की वापसी की इस यात्रा की रस्म को बहुड़ा यात्रा कहते हैं। जगन्नाथ मंदिर वापस पहुंचने के बाद भी सभी प्रतिमाएं रथ में ही रहती हैं। देवी-देवताओं के लिए मंदिर के द्वार अगले दिन एकादशी को खोले जाते हैं, तब विधिवत स्नान करवा कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच देव विग्रहों को पुनः प्रतिष्ठित किया जाता है। वास्तव में रथयात्रा एक सामुदायिक पर्व है। इस अवसर पर घरों में कोई भी पूजा नहीं होती है और न ही किसी प्रकार का उपवास रखा जाता है। रथ यात्रा में रथ को अपनी हाथों से खीचना अति शुभ माना जाता है।

यात्रा के तीनों रथ लकड़ी के बने होते हैं जिन्हें श्रद्धालु खींचकर चलते हैं। भगवान जगन्नाथ के रथ में 16 पहिए लगे होते हैं। भाई बलराम के रथ में 14 व बहन सुभद्रा के रथ में 12 पहिए लगे होते हैं। रथयात्रा में सबसे आगे बलरामजी का रथ, उसके बाद बीच में देवी सुभद्रा का रथ और सबसे पीछे भगवान जगन्नाथ श्रीकृष्ण का रथ होता है। इसे उनके रंग और ऊंचाई से पहचाना जाता है। बलरामजी के रथ को तालध्वज कहते हैं, जिसका रंग लाल और हरा होता है। देवी सुभद्रा के रथ को दर्पदलन या पद्म रथ कहा जाता है, जो काले या नीले और लाल रंग का होता है, जबकि भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष या गरुड़ध्वज कहते हैं। इसका रंग लाल और पीला होता है। भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ 45.6 फीट ऊंचा, बलरामजी का तालध्वज रथ 45 फीट ऊंचा और देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ 44.6 फीट ऊंचा होता है। सभी रथ नीम की पवित्र और परिपक्व काष्ठ (लकड़ियों) से बनाए जाते हैं, जिसे दारु कहते हैं। इसके लिए नीम के स्वस्थ और शुभ पेड़ की पहचान की जाती है, जिसके लिए जगन्नाथ मंदिर एक खास समिति का गठन करती है। इन रथों के निर्माण में किसी भी प्रकार के कील या कांटे या अन्य किसी धातु का प्रयोग नहीं होता है। रथों के लिए काष्ठ का चयन बसंत पंचमी के दिन से शुरू होता है और उनका निर्माण अक्षय तृतीया से प्रारम्भ होता है। जब तीनों रथ तैयार हो जाते हैं, तब छर पहनरा नामक अनुष्ठान संपन्न किया जाता है। इसके तहत पुरी के गजपति राजा पालकी में यहां आते हैं और इन तीनों रथों की विधिवत पूजा करते हैं और सोने की झाड़ू से रथ मंडप और रास्ते को साफ करते हैं। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलदाऊ की मूर्तियां नीम की लकड़ी से बनी हैं। जो अपने आप में अद्भुत हैं। परंपरा के अनुसार जगन्नाथपुरी में इन मूर्तियों को हर 12 साल बाद बदल दिया जाता है। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलदाऊ की मूर्तियां जो बनाई जाती है उनके हाथ और पैर के पंजे नहीं होते हैं। इन मूर्ति में कमर से नीचे का हिस्सा नहीं होता है। जेष्ठ पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा, भाई बलदाऊ का महास्नान पंचामृत से किया जाता है। शीत लगने के कारण बीमार हो जाते हैं इसके बाद मूल सिंहासन से हटकर भगवान शयन कक्ष में चले जाएंगे। जहां वैद्य आयुर्वेदिक औषधियों से उनका उपचार करते हैं। इस दौरान भगवान को हल्का भोजन दिया जाता है। आषाढ़ माह के शुक्लपक्ष की द्वितीया तिथि को ओडिशा के पुरी नगर में होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा सिर्फ भारत ही नहीं विश्व के सबसे विशाल और महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सवों में से एक है जिसमें भाग लेने के लिए पूरी दुनिया से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। सागर तट पर बसे पुरी शहर में होने वाली जगन्नाथ रथयात्रा उत्सव के समय आस्था का जो विराट वैभव देखने को मिलता है वह और कहीं दुर्लभ है।

विश्वकर्मा समाज को राजनैतिक ताकत देने के लिए एकजुट हुई संस्थाएं

मुंबई। विश्वकर्मा क्रांति दल का एकदिवसीय राज्यस्तरीय अधिवेशन 16 मई 22 को सांताक्रुज, कालीना स्थित विश्वकर्मा समिति हाल में आयोजित किया गया। अधिवेशन में राज्य के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी। पूर्व सांसद, ओबीसी नेता हरिभाऊ राठौड़ ने कहा कि देश में चार सौ पिछड़ा वर्ग समाज की जातियां हैं, इन सभी के हजारों सामाजिक संगठन हैं। आरक्षण यथावत बनाये रखने के लिए सभी को एकजुट होना होगा। राठौड़ ने कहा कि ओबीसी आरक्षण खत्म होना सभी राजनैतिक दलों के लिए चुनौती होगी।

उत्तर भारतीय ओबीसी महासभा संयोजक डॉ. यू पी सिंह ने ओबीसी की अलग जनगणना की मांग करते हुए कहा कि इससे सभी समाज की वास्तविक आबादी का आंकड़ा सामने

विश्वकर्मा क्रांति दल का राज्यस्तरीय अधिवेशन

आएगा और समाज के वंचित पिछड़ों को समानुपातिक भागदारी सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि मंडल कमीशन की 40 संस्तुतियों के बदले सिर्फ दो को लागू किया गया है, वह भी आधा अधूरा, इसलिए बाकी संस्तुतियों को भी लागू किया जाय तथा सरकारी उपक्रमों को निजी हाथों में चले जाने के बाद सरकारी नौकरियों के अवसर लगभग समाप्त

होता जा रहा है, इसलिए निजी नौकरियों में भी मंडल कमीशन की मंशा के अनुरूप आरक्षण सुनिश्चित किया जाये। भाजपा मुंबई कार्यकारिणी सदस्य गंगाराम विश्वकर्मा ने महाविकास आघाड़ी सरकार को ओबीसी विरोधी सरकार कहा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की महाविकास आघाड़ी सरकार ने ओबीसी के इम्पेरियल डेटा को तैयार नहीं किया, जिसके कारण ओबीसी आरक्षण को नुकसान हुआ है। विश्वकर्मा ने कहा कि पिछड़ा वर्ग समाज महाविकास आघाड़ी सरकार से नाराज है, इसका असर नगर निगमों के चुनाव में दिखाई देगा। चर्चासत्र में ओबीसी नेता बालाजी शिंदे, बालासाहेब सानप, विद्यानंद मानकर, शिवसेना नगरसेविका उर्मिला पांचाल ने विश्वकर्मा समाज को संगठित करने पर बल दिया और ओबीसी आरक्षण के लिए सभी ओबीसी समाज को साथ मिलकर संघर्ष करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जी डी सोनवणे, विजय सुरासे, बालासाहेब सुतार, गुलाब भामरे, संतोष क्षीरसागर, लल्लूराम विश्वकर्मा, आदेश सुतार, राधेश्याम विश्वकर्मा, वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा आदि का समाज में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए शाल, स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम आयोजक बालासाहेब पांचाल ने आभार व्यक्त किया।

GREENPANEL®
MDF

ख़ूबसूरती कल्पना की।
मज़बूती एमडीएफ़ की।

अब कुछ भी बनाइये, बरसों चलाइये, ग्रीनपैनल के एमडीएफ़ के साथ।
इसकी उच्चतम गुणवत्ता और समान्तर घनत्व/मोटाई आपके फर्नीचर
को देती है लम्बी उम्र, और आपकी कल्पना को, एक नई उड़ान।

	मज़बूत और किफायती	उत्पादन की कम लागत	बोर्ड की सही मोटाई का भरोसा	कई गुना बेहतरीन फिनिश	जानी मानी ब्रैंड का भरोसा	आफ़्टर सेल सर्विस
ग्रीनपैनल एम.डी.एफ.	✓	✓	✓	✓	✓	✓
लोकल प्लाईवुड	✗	✗	✗	✗	✗	✗

GREENPANEL®
MDF
मज़बूती का वादा
MDF चले ज़्यादा।
INDIA'S LARGEST
WOOD PANEL MANUFACTURER
मज़बूत और टिकाऊ
फंगस प्रूफ और दीमक प्रतिरोधक
स्क्रू कसने में सुविधाजनक
मुख्य उपयोग : • किचन कैबिनेट्स • वार्डरोब • बाथरूम कैबिनेट्स • फर्नीचर • पार्टीशन और पैनलिंग
Greenpanel Industries Limited : 3rd Floor, Plot No. 68, Sector 44, Gurugram 122003, Haryana. T +91 124 4784600 | E info@greenpanel.com
www.greenpanel.com I Toll Free No. 1800 102 2999

महाराष्ट्र मिट्टी बचाओ आंदोलन में शामिल होने वाला पांचवां राज्य

मुंबई। ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सदगुरू द्वारा दुनिया भर में मिट्टी पर आए संकट के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शुरू की गई जर्नी टू सेव सॉइल यात्रा 50 दिनों में 2 अरब लोगो तक पहुंच चुकी है।

मुंबई के जिओ कन्वेंशन सेंटर में 12 जून को आयोजित समारोह में सद्गुरु ने कहा कि मिट्टी को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए हमारी कृषि नीतियों को बदलना होगा। मिट्टी हमारी संपत्ति नहीं है, यह एक विरासत है जो पिछली पीढ़ियों से हमारे पास आई है और हमें इसे जीवित मिट्टी के रूप में आने वाली पीढ़ियों को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने बाइक यात्रा का फैसला किया ताकि लोग इसके बारे में जागरूक हों। लोग मिट्टी की रक्षा के लिए खड़े हों। मैंने इसके लिए अपनी जान जोखिम में डाली। मिट्टी के महत्व को सभी लोग समझते हैं, लेकिन उसे बचाने की कोशिश नहीं हो रही थी। इसके बारे में लोग कम ही बात कर रहे थे।

सदगुरु ने कहा कि मेरी इस यात्रा से लोग मिट्टी बचाने के प्रति जागरूक हुए। 2.8 अरब लोगों ने इसके संबंध में प्रतिक्रिया व्यक्त की। 15-18 इंच मिट्टी को ग्रह की क्रीम कहते हुए सद्गुरु ने चेतावनी दी कि पिछले 40-50 वर्षों में हमने ऊपरी मिट्टी का 52 प्रतिशत खो दिया है। मिट्टी की एक इंच परत बनने में 13000 साल लगते हैं। मिट्टी को हो रहे नुकसान को रोकने के लिए हमारी कृषि नीतियों को बदलना होगा।

इस अवसर पर आदित्य ठाकरे ने कहा कि हमारा ग्रह हमारी साझा संपत्ति और जिम्मेदारी है। आदित्य ठाकरे ने मिट्टी के लिए अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज हम एक महत्वपूर्ण बिंदु पर आ गए हैं। अगर हम मिट्टी बचाने के लिए पर्याप्त उपाय नहीं करते हैं तो हम आने वाली पीढ़ी को भी नहीं देख पाएंगे। हम मिट्टी हैं, वहीं से आते हैं और अंततः वहीं जाते हैं। महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे और ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु ने समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया। महाराष्ट्र मिट्टी बचाओ आंदोलन में शामिल होने वाला पांचवां राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मिट्टी बचाओ अभियान के लिए पूर्ण समर्थन का वादा किया।

कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री जूही चावला ने कावेरी कॉलिंग फार्म की अपनी यात्रा और किसानों की किस्मत बदलने वाली कृषि वानिकी को याद किया। कार्यक्रम में फिल्म जगत की हस्तियों के साथ-साथ 10 हजार से अधिक लोग मौजूद थे।

सद्गुरु ने मार्च में अकेले मोटरसाइकिल सवार के रूप में 100 दिन, 30,000 किलोमीटर की और पिछले 50 दिनों में यूरोप का अधिकांश हिस्से, मध्य एशिया के कुछ हिस्सों के साथ-साथ मध्य पूर्व के हिस्से में मिट्टी को बचाने की सख्त आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया है। इस उद्देश्य के प्रति अपनी अथक प्रतिबद्धता में सदगुरु बर्फ, रेतीले तूफान, बारिश और शून्य से नीचे के तापमान सहित अत्यंत जोखिम भरी परिस्थितियों से गुजरे हैं। यात्रा के दौरान उन्होंने प्रत्येक देश में राजनीतिक नेताओं, मिट्टी के विशेषज्ञों, नागरिकों, मीडिया कर्मियों और प्रभावकारी व्यक्तियों से मुलाकात की, उन्हें मिट्टी के विलुप्त होने से निपटने की तत्काल आवश्यकता के बारे में जागरूक किया। एक शानदार अनुक्रिया प्राप्त करते हुए मिट्टी बचाओ अभियान पहले ही 2 बिलियन से अधिक लोगों को प्रभावित कर चुका है, जिसमें 72 देश मिट्टी को बचाने के लिए कार्य करने के लिए सहमत हुए हैं।

तापड़िया ने लिया औद्योगिक और इंजीनियरिंग एक्सपो 2022 में भाग

औरंगाबाद। तापड़िया टूल्स आईएसओ 9001-2000 प्रमाणित मान्यता प्राप्त कंपनी है जो 1969 से भारत में प्रसीजन तकनीक से उच्चकोटी के हैंड टूल्स बनाती है। कंपनी ने शुरू से ही उच्च गुणवत्ता को प्राथमिकता दी है। ऑटोमोबाइल, कारपेंटरी, इलेक्ट्रिक आदि का काम करने वालों के लिए तापड़िया टूल्स के औजार बेहद सहायक होते हैं।

तापड़िया टूल्स ने 3 जून से 5 जून 2022 तक कलाग्राम, चिकलथाना औरंगाबाद में औद्योगिकऔर इंजीनियरिंग एक्स 2022 में भाग लिया। तापड़िया टूल्स ने जैक स्टैंड, ग्रीस गन बैरल, वीडीई प्लायर्स, बाई मेटल होल सॉ, टॉर्क रिंच, पेशवर स्टील फाइल्स, हैमर ड्रिल्स, प्लास्टिक टुल्स बॉक्स ऑर्गनाइजर सहित टीसीटी वुड कटिंग सर्कुलर ब्लेड्स, बिट डाईवर जैसे अपने नए और पुराने उत्पादन रेंज प्रदर्शित किए। तापड़िया टूल्स एक सुरक्षित निश्चित कुशल और किफायती उपकरण है। तापड़िया के नए उत्पादों को लेकर प्रतिक्रिया उत्साहजनक थी और इस बाजार में उपयोगताओं द्वारा बहुत सारी पूछताछ की गई। सभी उन्नत उत्पादों को अंतिम उपयोगताओं द्वारा अच्छी तरह से स्वीकारा

और सराहा गया। इस प्रदर्शनी में विभिन्न उद्योगों के वितरकों, आयातकों, निर्यातकों, औद्योगिको ने भाग लिया।

गुजरात में 11.70 करोड़ रुपये का लाल चंदन जब्त

अहमदाबाद। राजस्व खुफिया अधिकारियों ने निर्यात के लिए तैयार एक खेप से 11.70 करोड़ रुपये मूल्य का लाल चंदन जब्त किया, जिसका वजन 14.63 मीट्रिक टन है। मीडिया खबरों के मुताबिक राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों को सूचना मिली थी कि एक मिश्रित प्रसाधान घोषित की गयी निर्यात खेप में लाल चंदन छिपाकर रखा हुआ है, जिसकी देश से बाहर तस्करी की जानी थी। इसके बाद ऑपरेशन रक्त चंदन शुरू किया गया और संदिग्ध निर्यात खेप पर नजर रखी गयी। डीआरआई द्वारा संदिग्ध कंटेनर की जांच की गयी तो जांच में पता चला कि इसमें लाल रंग की लकड़ियां भरी हुई हैं, जो लाल चंदन दिखाई देती है। जब एक स्कैनिंग डिवाइस का उपयोग करके कंटेनर को स्कैन किया गया तो डीआरआई को कुछ सामानों के

बीच पूरे कंटेनर में लकड़ी के लॉग दिखाई दिया। रेंज वन अधिकारियों द्वारा लकड़ियों की प्रारंभिक जांच से पुष्टि हुई कि लकड़ियां लाल चंदन की हैं जिनका निर्यात प्रतिबंधित है। इस खेप को संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में निर्यात किया जाना था। विदेश व्यापार नीति के अनुसार भारत से लाल चंदन का निर्यात प्रतिबंधित है।

तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया

मुंबई। प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव के उपक्रम बीएपीएस स्वामिनारायण संस्था के बाल-बालिकाओं ने 31मई को व्यसनमुक्ति एवं पर्यावरण संवर्धन अभियान चलाया। विश्व भर में 31मई को वैश्विक तंबाकू निषेध दिन मनाया जाता है। 8 से 22 मई तक गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कर्नाटक जैसे कई राज्यों में व्यसनमुक्ति अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतिम चरण में 31 मई को वैश्विक तंबाकू निषेध दिन पर बाल बालिकाओं ने रैलियों के माध्यम से बेमिसाल प्रदर्शनी, क्रिएटिव फ्लोट्स और सूत्रों का गुंजन करते हुए इन विराट व्यसनमुक्ती और पर्यावरण अभियानों को लोगों तक पहुंचाया।

इंडिया वुड में कैनेडियन वुड की पांच प्रजातियों का प्रदर्शन

बेंगलुरु। इंडिया वुड 2022 में ब्रिटिश कोलंबिया (बी.सी.) की प्रांतीय सरकार की क्राउन एजेंसी कैनेडियन वुड ने भी भाग लिया। प्रदर्शनी में कैनेडियन वुड की पांच प्रजातियों वेस्टर्न हेमलॉक, येलो सीडर, स्प्रूस- पाइन- फर, डगलस - फर व वेस्टर्न रेड सीडर को उनके बूथ पर रचनात्मक रूप से प्रदर्शित किया गया।

इंडिया वुड 2022 में भागीदारी के बारे में बात करते हुए कैनेडियन वुड के कंट्री डायरेक्टर प्रणेश छिब्बर ने इंडिया वुड के 12वें संस्करण की मेजबानी करने पर इंडिया वुड टीम को बधाई देते हुए कहा कि हम इसमें भाग लेकर प्रसन्न हैं। यह हमें बीसी कनाडा के स्थायी रूप से प्रबंधित जंगलों से कानूनी रूप से कटाई और प्रमाणित लकड़ी के विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों में कनाडाई लकड़ी की 5 अलग - अलग प्रजातियों का प्रदर्शन करने का मंच प्रदान करता है। कनाडाई वुड की लकड़ी एक और आकर्षण यह है कि यह अपने ग्राहकों के लिए विधिवत आकार, वर्गीकृत और अनुभवी स्थिति का उपयोग करने के लिए लगभग तैयार है, जो अपव्यय को कम करने और उत्पादकता को अधिकतम करने में

सहायक है। कनाडाई वुड बूथ पर प्रदर्शित किए जाने वाले सभी उत्पाद भारतीय निर्माताओं द्वारा विशेष रूप से कैनेडियन वुड की प्रजातियों का उपयोग करके बनाए गए। इन प्रजातियों को 23 शहरों में 40 से अधिक स्टॉकिस्ट द्वारा संग्रहीत और बेचा जाता है, जो पूरे भारत में वुडवर्किंग उद्योग की सेवा करते हैं।

कारपेन्टर/कोन्ट्राक्टर भाइयों के लिये टोकन / कटर मशीन / ड्रील मशीन ऑफर

EURO 7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

अब
800 Gm
पाउच में उपलब्ध

ड्रम पैक साइज
800 Gm X 70 Pouches

ड्रम पैक	ऑफर
यूरो एडहेसिव WP 2IN1 के एक ड्रम पर पाइये स्पेशल ऑफर 800 Gm X 70 Nos	15 Rs. टोकन / पाउच अथवा कटर मशीन अथवा ड्रील मशीन

15 Rs/- टोकन / पाउच

अथवा

अथवा

बांस की लुगदी से तैयार होगा प्लाईवुड

यमुनानगर का प्लाईवुड इंडस्ट्री लगातार लकड़ी के संकट से जूझ रहा है। जिले में पॉपुलर व सफेदा की लकड़ी से प्लाईवुड बनाया जाता है। पॉपुलर व सफेदा दोनों सीमित मात्रा में मौजूद हैं। भविष्य में प्लाईवुड इंडस्ट्री को लकड़ी के संकट से जूझना न पड़े इसके लिए अभी से इसका विकल्प तलाशना होगा। इसका विकल्प बांस की लकड़ी हो सकती है। इसलिए सरकार यमुनानगर समेत आसपास के जिलों के किसानों को खेतों में बांस लगाने के लिए प्रेरित करेगी। फिलहाल जब तक किसान बांस को नहीं लगाते तब तक प्रदेश सरकार असम से बांस की लकड़ी से तैयार लुगदी का आयात कर सकती है। यदि ऐसा हुआ तो जिले के प्लाईवुड कारोबार को रफ्तार मिलेगी। प्लाईवुड के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए स्वर्ण जयंती हॉल में फॉरन कोपरेशन विभाग की तरफ से हरियाणा प्लाईवुड कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। जिसमें प्लाईवुड उद्योग के एक्सपर्ट व वैज्ञानिकों ने बताया कि इस कारोबार को और कैसे बढ़ाया जा सकता है। साथ ही परंपरागत काम को छोड़कर इसमें तकनीक का इस्तेमाल करके एक्सपोर्टरों को अपनी ओर आकर्षित किया जा सकता है।

प्लाईवुड कॉन्क्लेव का आयोजन

यमुनानगर। हरियाणा प्लाईवुड कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यदि पॉपुलर व सफेदे की लकड़ी के साथ बांस मिलाकर प्लाईवुड तैयार किया जाए तो वह ज्यादा मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि 2015 में प्लाईवुड में अपनी मनमर्जी से काम चल रहा था। उस समय करीब 950 प्लाईवुड उद्योग काम कर रहे थे। उद्योग चलाने के लिए नए लाइसेंस नहीं दिए जा रहे थे। लाइसेंस के लिए करोड़ों रुपये की रिश्वत मांगी जाती थी। परंतु हमारी सरकार ने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए जितने भी आवेदन थे सबको मंजूर किया। यदि आपके सामान की क्वालिटी अच्छी होगी तो रेट भी बढ़िया मिलेंगे व निर्यात में बढ़ोतरी होगी। बेहतर क्वालिटी का सामान बनाने के लिए जिले में कॉमन फेसिलिटी सेंटर बनाया जाएगा। सरकार की ओर से मध्यम स्तरीय उद्यम क्लस्टर विकास योजना के तहत यमुनानगर में सांझा सुविधा केंद्र की

स्थापना की जा रही है। इसमें प्लाईवुड निमार्ताओं को उनके उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने, प्रोडक्ट डिफरनेशन शुरू करने, उत्पादन लागत को कम करने के तरीके सुझाने में मदद मिलेगी। यमुनानगर में क्वालिटी मार्केट सेंटर को भी अपडेट किया जा रहा है। वन एवं शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने सीएम से यमुनानगर में आईसीडी सेंटर बनाने की मांग की। उन्होंने उद्योगपतियों से अपील की कि वह इस क्षेत्र में गुणवत्ता से काम करें ताकि प्लाईवुड के क्षेत्र में यमुनानगर का दुनिया में नाम हो। मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डीएस ढेसी ने कहा कि यदि उद्योग में कोई दिक्कत आती है तो उसे मिलकर हल किया जाता है।

प्रधान सचिव योगेंद्र चौधरी ने प्लाईवुड के क्षेत्र में निर्यात की काफी संभावनाएं है। विदेश में भी हरियाणा का सहयोग एफसीडी विशेष रूप से कर रहा है। महानिदेशक एफसीडी अनंत प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि यह कार्यशाला तकनीकी क्षेत्र में काफी लाभदायक है। उद्योगों में नई तकनीकी के प्रयोग से उद्योग उन्नत होंगे।

हरियाणा प्लाईवुड मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जेके बिहानी ने जिले में प्लाईवुड उद्योग के समक्ष आ रही चुनौतियों व एक्सपोर्ट में आने वाली दिक्कतों से अवगत कराया। व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रामनिवास गर्ग ने प्लाईवुड कारोबार के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। प्लाईवुड एंड अप्लाइड प्रोडक्ट केमिकल एंड एलाइड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के चेयरमैन बीएच पटेल ने अंतरराष्ट्रीय मार्केट व प्लाईवुड के एक्सपोर्ट के बारे में विस्तार से बताया। मिनिस्ट्री ऑफ डेवलपमेंट ऑफ नॉर्थ ईस्टर्न रीजन नई दिल्ली के निदेशक उमेश कुमार ने कॉन्क्लेव को प्लाईवुड उद्योग के लिए मील का पत्थर बताया। समारोह में एफसीडी के मुख्य सचिव योगेंद्र चौधरी, एफसीडी के डायरेक्टर जनरल एंड सेक्रेटरी अनंत प्रकाश पांडे ने अपने विचार रखे।

इंडिया वुड में E3 ग्रुप के उत्पादों का प्रदर्शन

बेंगलुरु। इंडिया वुड 2022 प्रदर्शनी का आयोजन 2 से 6 जून तक बीआईईसी होबली, बेंगलुरु में किया गया। इंडिया वुड 2022 प्रदर्शनी में E3 ग्रुप ने भाग लिया। E3 ग्रुप भारत में डब्ल्यूपीसी बोर्ड्स, क्लैड्स पैनल, पीवीसी एज बैंड टेप्स, एसीपी, एचपीएल, पीवीसी लैमिनेट्स, पीवीसी एज बैंड के अग्रणी निमार्ता हैं। E3 ग्रुप के उत्पाद बेहतर गुणवत्ता, डिजाइन, टिकाऊपन के लिए जाना जाता है।

पेड़ों की 17,500 प्रजातियां खतरे में

मुंबई। स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स ट्रीज के पांच साल के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में पाया गया है कि पेड़ों की 17,500 प्रजातियां खतरे में हैं, जो खतरे में पड़े स्तनधारियों, पक्षियों, उभयचरों और सरीसृपों की संयुक्त संख्या से दोगुना है। खेती के लिए वनों की सफाई जंगली पेड़ों की प्रजातियों के खात्मे के लिए सबसे बड़ा कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पेड़ों को विलुप्त होने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है।

जंगली पेड़ों की प्रजातियों के विलुप्त होने से पारिस्थितिकी तंत्र के ढहने का खतरा पैदा होता है। रिपोर्ट में खेती के अलावा लकड़ी के लिए पेड़ों की कटाई, पशुपालन और आवासीय या वाणिज्यिक विकास को भी जंगली पेड़ों के विलुप्त होने का अहम कारण बताया गया है। सबसे अधिक जोखिम वाले पेड़ों में मैगनोलिया सहित डिप्टैरोकार्पस पेड़ शामिल हैं जो आमतौर पर दक्षिण पूर्व एशिया के वर्षावनों में पाए जाते हैं। ओक के पेड़, मेपल के पेड़ और आबनूस भी इसी तरह का जोखिम का सामना कर रहे हैं। पेड़ प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने में मदद करते हैं और ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। एक पेड़ की प्रजाति के विलुप्त होने से कई अन्य पेड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। बॉटनिक गार्डन कंजर्वेशन इंटरनेशनल के महासचिव पॉल स्मिथ ने एक बयान में कहा है कि यह रिपोर्ट दुनिया भर के सभी लोगों को जगाने वाली है और यह बताती है कि पेड़ों को मदद की जरूरत है। दुनिया के कई हिस्सों में पेड़ एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के स्तंभ हैं। उनके बिना अन्य पौधे, कीड़े, पक्षी और स्तनधारी जीवित रहने के लिए संघर्ष करते हैं। इसके अलावा इंसानों के लिए पेड़ सीधे मददगार होते हैं। ऑक्सीजन उत्पादन, निर्माण के लिए लकड़ी, आग के लिए ईंधन, दवा और भोजन के लिए सामग्री इन पेड़ों से ही मिलती है।

ब्राजील में सबसे अधिक प्रजातियां खतरे में

रिपोर्ट में पाया गया है कि पेड़ों की प्रजातियों की विविधता के लिए दुनिया के शीर्ष छह देशों में पेड़ों की हजारों किस्मों के विलुप्त होने का खतरा है। सबसे बड़ी संख्या ब्राजील में है, जहां 1,788 प्रजातियां खतरे में हैं।

वट सावित्री पूजा : बरगद के प्रति आभार जताने का दिन

सनातन परंपरा में बरगद का वृक्ष महत्वपूर्ण और पूज्यनीय बताया गया है। यह वृक्ष दिव्य है और एक तरह से संस्कृति और प्राचीनता की धरोहर है। पांच वट वृक्षों अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्ध वट को बेहद पवित्र माना गया है। वट वृक्ष सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए कितना पवित्र है इसका अंदाजा हमें इस बात से लग जाता है कि पीपल वृक्ष भगवान विष्णु का रूप है तो बरगद का पेड़ भगवान शिव की प्रतिकृति माना जाता है। बरगद की खासियत होती है कि यह सैकड़ों वर्षों तक जीवित रहता है और हरा-भरा होकर छाया और प्राणवायु देता रहता है। दीघार्यु, विशालकाय, जटाधारी, घना और हरा-भरा बरगद का वृक्ष कभी गांव कस्बों में बड़ी आसानी से देखने को मिल जाया करता था। आबादी बढ़ती गयी और बरगद के लिए जगह भी कम होते गए। सनातन धर्म में इस दिव्य वृक्ष का महत्व आज भी बरकरार है।

वट की महिमा

सनातन धर्म के पवित्र ग्रंथ रामायण और महाभारत में भी बरगद के वृक्ष का हमें वर्णन मिलता है। इसके अलावा यजुर्वेद, अथर्ववेद, शतपथ ब्राह्मण, ऐतरेय ब्राह्मण, महोपनिषद, सुभाषितावली, मनुस्मृति आदि में भी वट वृक्ष का वर्णन आता है। सनातन धर्म में बरगद के पेड़ को काटना पुत्र हत्या के समान माना गया है। इसकी पूजा से जीवन में सुख, दीघार्यु और समृद्धि आती है। मान्यता है कि सावित्री ने अपने पति सत्यवान को वट वृक्ष के नीचे ही पुनर्जीवित किया था। सावित्री स्वयं बरगद के वृक्ष में वास करती हैं। इसकी दीघार्यु के कारण ही महिलाएं इसकी पूजा करती हैं और वरदान मांगती हैं कि हमारे पति, हमारी संतानें और घर-परिवार का कुशल क्षेम ऐसे ही बना रहे।

यक्ष से हुई बरगद के पेड़ की उत्पत्ति

बरगद के पेड़ को वट वृक्ष भी कहा जाता है। बरगद की उत्पत्ति को लेकर सनातन धर्म में हमें वामनपुराण का एक श्लोक है।

यक्षाणामधिस्यापि मणिभद्रस्य नारद, वटवृक्षः समभव तस्मिस्तस्य रतिः सदा॥

अर्थात यक्षों के राजा मणिभद्र से वट वृक्ष की उत्पत्ति हुई। यह कथा सृष्टि की उत्पत्ति की है। जब सृष्टि का सृजन हो रहा था तब भगवान विष्णु की नाभि से कमल का पुष्प पैदा हुआ। ऐसे में अन्य देवताओं ने भी अन्य वनस्पतियों का सृजन किया। इनमें से यक्षों के राजा मणिभद्र ने वट वृक्ष का सृजन किया। यही वजह है कि वट वृक्ष अर्थात बरगद को यक्षतरु भी कहते हैं।

बरगद में त्रिदेवों की ऊर्जा समाहित

मान्यता ये भी है कि बरगद के पेड़ में त्रिदेवों की ऊर्जा समाहित है। इस पेड़ के जड़ में परमपिता ब्रह्मा वास करते हैं, मध्य भाग में भगवान विष्णु और अग्रभाग में स्वयं भगवान महादेव का वास है। मान्यता है कि सृष्टि में प्रलय के समय भगवान कृष्ण ने मार्कन्डेय को अक्षयवट के पत्ते पर ही दर्शन दिये थे।

चिली में दुनिया का सबसे पुराना पेड़

मुंबई। दक्षिणी चिली में एक हरा-भरा जंगल दुनिया के सबसे पुराने पेड़ का घर हो सकता है। एक नई स्टडी में पाया गया है कि ग्रेट ग्रैंडफादर के रूप में जाना जाने वाला ये प्राचीन पेड़ 5,000 वर्ष से अधिक पुराना हो सकता है। हालांकि पेड़ के विशाल तने के कारण वैज्ञानिक इसकी सही उम्र तय नहीं कर पा रहे हैं। आम तौर पर पेड़ की रिंग गिनने के लिए लकड़ी का 1 मीटर (1.09 गज) का सिलेंडर निकाला जाता है, लेकिन ग्रेट ग्रैंडफादर के तने का साइज 4 मीटर चौड़ा है।

5,484 साल पुराना है पेड़

इस स्टडी का नेतृत्व करने वाले वैज्ञानिक जोनाथन बारिचिविच ने कहा कि उन्होंने जो सैंपल निकाला और अन्य डेटिंग तरीकों से पता चलता है कि ये पेड़ 5,484 साल पुराना है। साथ ही कहा कि ये तरीका हमें बताता है कि 80 फीसदी संभव है कि पेड़ की उम्र 5,000 साल से अधिक है या केवल 20 फीसदी संभावना है कि पेड़ छोटा है।

कैलिफोर्निया के पुराने पाइन ट्री को छोड़ा पीछे

सबसे ज्यादा उम्र के मामले में इस पेड़ ने अमेरिका के कैलिफोर्निया के जंगलों में 4,853 साल पुराने पाइन ट्री को पीछे छोड़ दिया है। वैज्ञानिक जोनाथन बारिचिविच ने कहा कि अगर कोई इसकी तुलना पहले से ही पुराने पेड़ों से करता है, जहां हम सभी रिंग्स को गिनते हैं तो ये इसे ग्रह पर सबसे पुराने जीवित पेड़ों में से एक बना देगा।

बारिचिविच एलर्स कॉस्टेरो नेशनल पार्क में पेड़ों की प्रसिद्धि के बारे में चिंतित है। साथ ही कहा कि ये मानव सभ्यता के कई युगों तक जीवित रहा। विजिटर्स यहां इसकी जड़ों पर अपने पैर रखते हैं और यहां तक कि इसकी छाल के टुकड़े भी लेते हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह के नुकसान को रोकने के लिए अमेरिका में इसी तरह के पेड़ों का स्थान छिपा हुआ है। बरिचिविच ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि लोग 5,000 साल जीने का क्या मतलब है के बारे में एक सेकंड के लिए सोच सकते हैं और इसे अपने जीवन और जलवायु संकट को परिप्रेक्ष्य में रख सकते हैं।

TJM/TTL/22/HIN

घड़ी को दक्षिण दिशा में लगाने से होगी पैसों की किल्लत

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में लगी हर चीज को रखने और लगाने के अपने कुछ नियम और कायदे होते हैं। अगर इन बातों को ध्यान में रखकर घर में किसी भी चीज का इस्तेमाल किया जाए तो इसके शुभ और फलदायी लाभ होते हैं और घर में सकारात्मकता आती है। इसी तरह घर की दीवारों पर घड़ी लगाने को लेकर भी कुछ नियम बताए गए हैं।

घरों में अक्सर हम घड़ी को उस जगह पर लगाते हैं जहां से हम आसानी से उसे देख सकते हैं। लेकिन ऐसा करते वक्त हम घड़ी की दिशा का थोड़ा भी ध्यान नहीं रखते। दरअसल वास्तु शास्त्र के हिसाब से घर में सुख, शांति और समृद्धि के लिए सही दिशा में घड़ी का होना जरूरी है। वास्तु शास्त्र के अनुसार गलत दिशा में लगी घड़ी सेहत खराब करने के साथ ही नेगेटिव एनर्जी भी लाती है। इसका घर के लोगों स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।

घर की दीवार पर लगी घड़ी सिर्फ समय बताने का कार्य ही नहीं करती बल्कि कई शुभ और अशुभ संकेत भी देती है। वास्तु नियमों के अनुसार अगर घड़ी का गलत तरह से इस्तेमाल किया जाए तो ये नुकसान का कारण भी बन जाती है। जीवन पर घड़ी का प्रभाव पड़ता है। घर में रुकी हुई घड़ी नकारात्मकता तो फैलाती ही है साथ ही घर भी घड़ी की तरह निर्जीव हो जाता है। वास्तु शास्त्र के नियम से सही दिशा में घड़ी लगाने से घर में साकारात्मकता के साथ सुख, शांति और समृद्धि भी आती है।

● घर में खुशहाली और तरक्की चाहिए तो पूर्व दिशा में घड़ी लगाएं। इस दिशा में लगी घड़ी बेहद शुभ मानी जाती है। वास्तु के हिसाब से घर में घड़ी का दक्षिण दिशा में लगा होना शुभ नहीं होता है। इससे स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।

● कभी भी भूलकर भी घर में घड़ी को दक्षिण दिशा में ना लगाएं। इस दिशा में लगी घड़ी स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने के साथ ही पैसों की किल्लत भी लाती है।

● वास्तु के अनुसार घर के मेन गेट पर घड़ी नहीं लगानी चाहिए। इस जगह पर लगी घड़ी नकारात्मक ऊर्जा लाती है, जिससे घर में रहने वाले लोगों की खुशियों को बुरी नजर लगती है।

● घर में खुशहाली और सुख समृद्धी बनाएं रखने के लिए पेंडूलम वाली घड़ी ना लगाएं। इसके साथ ही इस बात का ध्यान भी रखें कि आपके घर में लगी घड़ी बंद ना हो। इसके अलावा घड़ी पर धूल ना जमने दें।

● घर में बंद पड़ी घड़ी ना रखें। वास्तु के अनुसार घड़ी के बंद होने पर आप पीछे रह जाते हैं और समय आगे निकल जाता है।

● घर में हरे और ऑरेंज कलर की घड़ी रखने से नेगेटिव एनर्जी आती है।

● लिविंग रूम में चौकोर शेप वाली घड़ी लगाएं। इससे घर के लोगों में शांति और प्यार बना रहता है।

घर के मेन गेट पर ऐसे बनाएं स्वास्तिक

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र का खास महत्व है। मान्यता के मुताबिक हमारे आस-पास की चीजें हमारे जीवन को सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से प्रभावित करती हैं।

भारतीय धर्म शास्त्र में स्वस्तिक का खास महत्व प्राप्त है। इसे बेहद ही शुभ और पवित्र माना गया है। स्वास्तिक का प्रयोग हर मंगल कार्य में जरूर होता है। इसे श्री गणेश का भी प्रतीक माना गया है। लोग अपने घर के मुख्य द्वार पर पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ स्वास्तिक बनाते हैं। कहते है सुख, समृद्धि, शांति, धन, विद्या सबकुछ पाने में स्वस्तिक विशेष भूमिका रखता है। इसी लिए इसे ज्यादातर प्रवेश द्वार पर बनाया जाता है। तिजोरी और पैसे रखने की जगह पर भी इसे बनाया जाता है। स्वास्तिक को सतिया के नाम से भी जाना जाता है। वास्तु शास्त्र में भी घर के मुख्य द्वार पर स्वस्तिक बनाने को मंगलकारी बताया जाता है।

आस्था : निर्जला एकादशी व्रत

ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष में निर्जला एकादशी का उपवास किया जाता है। निर्जला एकादशी का उपवास निर्जल यानी कि बिना जल के रखा जाता है। हिंदुओं के लिए यह एक पवित्र दिन है। यह सनातन धर्म की 24 एकादशी में से एक है। निर्जला एकादशी में भी अन्य एकादशी की तरह भगवान विष्णु की पूजा की जाती है।

भगवान विष्णु की एक मूर्ति को पंचामृत में स्नान कराया जाता है। इस एकादशी को ग्रंथों में भीमसेन एकादशी का नाम भी दिया गया है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन व्रत रखने से पापों से मुक्ति मिलती है। इस वर्ष निर्जला एकादशी 10 जून को है। निर्जला एकादशी को भीम एकादशी या पांडव निर्जला एकादशी भी कहा जाता है। मान्यता है कि पांडवों में भीम को खाने-पीने का बहुत शौक था। उन्हें अपनी भूख को नियंत्रित करना उनके लिए काफी मुश्किल था। इसकी वजह से वह एकादशी व्रत को भी नहीं कर पाते थे। भीम के अलावा अन्य पांडव भाई और द्रौपदी वर्ष की सभी एकादशी व्रतों को पूरी श्रद्धा भक्ति से किया करते थे। भीम अपनी इस कमजोरी को लेकर परेशान थे। भीम को लगता था कि वह एकादशी व्रत न करके भगवान विष्णु का अनादर कर रहे हैं। इस दुविधा से उभरने के लिए भीमसेन महर्षि व्यास के पास गए तब महर्षि व्यास ने भीमसेन को वर्ष में एक बार निर्जला एकादशी व्रत को करने कि सलाह दी। तभी से निर्जला एकादशी को भीम एकादशी या पांडव निर्जला एकादशी के नाम से भी जाना जाता है।

स्वास्थ्य

ड्रैगन फ्रूट : इम्यूनिटी को करे मजबूत

ड्रैगन फ्रूट कमल जैसा दिखता है इसलिए इस फ्रूट का नाम संस्कृत शब्द कमलम भी है क्यों कि यह फल दिखने में कमल के फूल जैसा दिखाई देता है। ड्रैगन फ्रूट का साइंटिफिक नाम हिलोसेरस अंडस है। ड्रैगन फ्रूट में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट के साथ-साथ फ्लेवोनोइड, फेनोलिक एसिड, एस्कॉर्बिक एसिड, फाइबर और एंटी इंफ्लेमेटरी के गुण भी पाए जाते हैं। इसे पिताया फल के नाम से भी जाना जाता है। इस फल को खाने से हमारे शरीर को कई लाभ मिलते हैं।

डायबिटीज – डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसका कोई ज्ञात इलाज नहीं है, इसे खान-पान और लाइफस्टाइल में बदलाव करके कंट्रोल किया जा सकता है। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपके लिए ड्रैगन फ्रूट का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

डेंगू – ड्रैगन फ्रूट का उपयोग डेंगू का उपचार करने में सहायक होता है। इसके लिए ड्रैगन फ्रूट के बीज का उपयोग किया जाता है। जो डेंगू के लक्षणों को कम करने में मदद करता है साथ ही, इसमें मौजूद विटामिन-सी शरीर में प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है जिससे बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

इम्यूनिटी – इम्यून सिस्टम शरीर के कुछ खास अंगों, सेल्स और केमिकल से मिल कर बना होता है। ड्रैगन फ्रूट इम्यूनिटी को मजबूत बनाने का काम करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटीवायरल गुण पाए जाते हैं जो वायरल संक्रमण से बचाने में मदद करता है।

दांत – दांतों को कमजोर होने से बचाने के लिए ड्रैगन फ्रूट का सेवन किया जा सकता है। क्योंकि इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस की मात्रा भरपूर पाई जाती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

पाचन – ड्रैगन फ्रूट में मौजूद ओलिगोसैकराइड (एक तरह का केमिकल कंपाउंड) के प्रीबायोटिक गुण आंत में हेल्दी बैक्टीरिया को बढ़ाता है, जिससे पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है।

बालों को बनाए हेल्दी – ड्रैगन फ्रूट में कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत ही नहीं बल्कि स्किन और बालों के लिए भी अच्छे माने जाते हैं। इसमें पाया जाने वाला फैटी एसिड बालों को हेल्दी रखने में मदद कर सकता है।

जायका इंडिया का

दाल तड़का

भारतीय रेस्तरां में दाल तड़का सबसे लोकप्रिय व्यंजन के तौर होता है। दाल तड़का एक स्वादिष्ट व्यंजन है जिसे रोटी, नान या चावल के साथ परोसा जाता है।

सामग्री – 1/2 कप चना दाल, 1/2 कप तूर दाल,1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर,1/2 टीस्पून नमक,1 कप पानी, ग्रेवी के लिए - 2 टेबलस्पून तेल,1 टीस्पून जीरा,1 टी स्पून अदरकझलहसुन का पेस्ट,1 प्याज, कटा हुआ,1टमाटर, कटा हुआ,1/4 टी स्पून नमक,1 टी स्पून धनिया पाउडर,

तड़के के लिए – 1/2 कप दाल का पानी, 1/2 छोटा चम्मच कसूरी मेथी, 2 टेबल स्पून तेल, 1/2 टी स्पून जीरा, 1 टी स्पून लहसुन, कटी हुई, 2 लाल मिर्च,1/2 टी स्पून अदरक, 1/2 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टेबल स्पून हरा धनिया

विधि – प्रेशर कुकर में चना दाल, तूर दाल के साथ हल्दी, 1 चम्मच नमक और 3 कप पानी डालें। तेज आंच पर 4 सीटी के लिए प्रेशर कुक करें, फिर आंच कम करें और 3 से 4 मिनट तक पकने दें। प्रेशर को स्वाभाविक रूप से निकलने दें। अगर इंस्टेंट पॉट का उपयोग कर रहे हैं तो प्राकृतिक प्रेशर रिलीज के साथ 8 मिनट के लिए उच्च दबाव पर पकाएं। इसे अलग रख दें। इसी बीच 4 बड़ी लहसुन की कलियां, 1 इंच अदरक और हरी मिर्च को मोर्टार मूसल में पीसकर अलग रख दें। एक भारी तले की कड़ाही में मध्यम आंच पर घी गर्म करें। गरम होने पर इसमें जीरा, कुटा हुआ हरा धनिया और लौंग डालें। सुगंधित होने तक कुछ सेकंड भूनें। कटे हुए टमाटरों को 1/2 टी स्पून नमक के साथ डालें और मिलाएं। ढककर 7 से 8 मिनिट तक पकाएं, जब तक कि टमाटर बहुत नरम और पक न जाएं। फिर धनिया पाउडर, गरम मसाला, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और कसूरी मेथी डालें। मसाले को मसाले के साथ कुछ 30 सेकंड के लिए चलाएं। उबली हुई दाल को पैन में डालें और मिलाएं। दाल को 3 से 4 मिनिट तक उबलने दीजिए। तड़के के लिए एक छोटी कढ़ाई में 2 छोटी चम्मच घी गरम करें। घी के गर्म होते ही 2 कटी हुई लहसुन की कलियां डाल दें। साथ ही हिंग और सूखी लाल मिर्च भी डालें। एक मिनट तक तब तक पकाएं जब तक कि लहसुन का रंग न बदलने लगे। कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर डालें पैन को आंच से हटा दें। दाल के ऊपर तड़का डालें और मिलाएं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

ग्रह प्रवेश के लिए अंकिता लोखंडे ने बनाया हलवा

अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के साथ ही अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वालीं एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे को फैन्स खूब प्यार देते हैं। अंकिता के फोटोज और वीडियोज अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाते हैं। हाल ही में अंकिता और उनके पति विकी जैन ने अपने फैन्स को बताया था कि उन्होंने नया घर लिया है, इसके बाद अब अंकिता के एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में अंकिता नई किचन में हलवा बनाती दिख रही हैं। वहीं वीडियो में उनका स्वैग भी देखने को मिल रहा है। दरअसल अंकिता लोखंडे और विकी जैन ने नए घर का ग्रह प्रवेश किया। इस दौरान अंकिता का एक वीडियो सामने आया है, जहां वो अपनी नई किचन में हलवा बनाती दिख रही हैं और अपनी दोस्त से बात भी कर रही हैं। वीडियो बनाने वाली शख्स अंकिता से पूछती है कि वो क्या कर रही हैं, इस पर अंकिता कहती हैं कि वो सभी के लिए हलवा बना रही हैं।

आम्रपाली ने निरहुआ से लड़ाया नैन

भोजपुरी सिनेमा में दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे की जोड़ी की बात की जाए तो इनकी जोड़ी पिछले कई सालों से भोजपुरी दर्शकों को अपना दीवाना बना रखा है। निरहुआ अब तक भोजपुरी के हर एक्ट्रेस के साथ फिल्में कर चुके हैं, लेकिन आम्रपाली दुबे के साथ इनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस से लेकर फैंस के दिलों पर धमाल मचा चुके हैं। इसी कड़ी में इन दोनों का भोजपुरी गाना नैना करत निहोरा एक बार फिर ट्रेंड कर रहा है। इस भोजपुरी गाने में आम्रपाली दुबे ने निरहुआ को जैसे ही सैंया से संबोधित किया निरहुआ आम्रपाली दुबे को टकटकी निगाहों से देखते रह गये। गाने में आम्रपाली की अदाएं देख फैंस एक पल के लिए खो गये। 4 मिनट 7 सेकेंड के इस भोजपुरी गाने में सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी है। ये भोजपुरी गाना सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव निरहुआ की जोड़ी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे हॉट जोड़ी में से एक है। दोनों की ऑन स्क्रीन कैमिस्ट्री दर्शकों को खूब भाती है। नैना करत निहोरा गाने को अब तक 7,185,942 से ज्यादा लोगों ने देख लिया है। इस गाने को करीब 25 हजार से ज्यादा के लाइक्स मिल चुके हैं। आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव निरहुआ के इस गाने को उनकी भोजपुरी फिल्म निरहुआ चलल ससुराल 2 से लिया गया है। इस भोजपुरी गाने नैना करत निहोरा के बोल श्याम देहाती ने लिखे हैं जबकि इसका संगीत ओम झा ने दिया है। इस गाने को अपनी आवाज कल्पना ने दी है। इस फिल्म को मुस्कान म्यूजिक के बैनर तले बनाया गया है।

सारा पर चढ़ा हॉटनेस का बुखार

सैफ अली खान और अमृता सिंह की लाड़ली सारा अली खान ने बहुत ही कम समय में बॉलीवुड में अपनी एक खास जगह बनाई है। फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी सारा अली खान अपने फैंस का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। सारा अली खान की अदाएगी का जलवा बॉक्स ऑफिस पर भले ही न चला हो, लेकिन उनकी खूबसूरती ने फैंस के दिलों को जरुर घायल किया है। सोशल मीडिया पर एक्टिव सारा अली खान इंडियन हो या वेस्टर्न हर लुक को बहुत ही अच्छे से कैरी करती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस के रेड हॉट अवतार ने उनके फैंस का दिल जीत लिया है।

सारा अली खान ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की है, जिसमें एक्ट्रेस का रेड हॉट अवतार देखते ही बन रहा है। इन तस्वीरों में सैफ अली खान की लाड़ली का बेहद बोल्ड एंड ग्लैमरस अंदाज फैंस को देखने को मिल रहा है। पहली तस्वीर में जहां सारा अली खान सोफे पर बैठे हुए पोज कर रही हैं तो वही दूसरी तस्वीर में वह खड़े होकर पोज दे रही हैं। वही अन्य तस्वीर में सारा अली खान अपनी जैकेट से खेलती हुई दिखाई दे रही हैं। सारा अली खान की ये तस्वीरें इतनी स्टनिंग हैं कि इस पर से नजरें हटाना भी मुश्किल होगा।

सारा अली खान ने लिखा है कि आप सभी को लाल रंग के साथ छोड़े जा रही हूं। उनकी इन तस्वीरों पर अब तक 3 लाख से अधिक लाइक्स आ चुके हैं और फैंस लगातार एक्ट्रेस के लुक पर प्यार बरसा रहे हैं।

बर्लिन की सड़कों पर जान्हवी

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बवाल के इंटरनेशनल शेड्यूल की शूटिंग के सिलसिले में जर्मनी की बर्लिन गई हुई हैं। जहां वो अभिनेता वरुण धवन के साथ फिल्म के महत्वपूर्ण हिस्से के शूट करेगी। इन तस्वीरें में जान्हवी कपूर बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। फोटोज में एक्ट्रेस वहां बने टूरिस्ट स्पॉट और एक नदी किनारे अभिनेता वरुण धवन के साथ मस्ती करती हुई दिख रही हैं। इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक खास कैप्शन भी लिखा है। इससे पहले एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फ्रांस डायरी की तस्वीरें साझा की है, जिसमें वो फ्रांस की अलग अलग लोकेशंस पर चिल करती हुई दिख रही हैं, जबकि एक तस्वीर में वो एक चर्च नुमा दिखने वाली इमारत के बाहर बैठ कर योगासन की मुद्रा में बैठी हुई दिख रही है। साथ ही विश्व प्रसिद्ध एफिल टॉवर के पास खड़े होकर भी पोज देती दिख रही हैं।

सामंथा के हॉट फोटो पर अनुष्का का कमेंट

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच भी अपनी तगड़ी फैन फॉलोइंग बनी ली है। पहले मनोज बाजपेयी स्टारर वेब सीरीज द फैमिली मैन 2 में सामंथा ने अपना जलवा बिखेरा और फिर पुष्पा के आइटम नंबर ऊ अंटावा ऊ ऊ अंटावा से दर्शकों का दिल जीता। सामंथा के फोटोज और वीडियोज को अब फैन्स खूब प्यार देते हैं। हाल ही में जब सामंथा ने एक ब्लैक बिकिनी टॉप में एक फोटो शेयर की तो वो तेजी से वायरल हो गई। सामंथा के इस हॉट फोटो पर कई सेलेब्स ने भी रिएक्ट किया, जिनमें एक नाम अनुष्का शर्मा का भी रहा। हालांकि सामंथा की तस्वीर पर अनुष्का के कमेंट के बाद विराट कोहली को ट्रोल किया जा रहा है।

दरअसल सामंथा के हॉट फोटो पर फैन्स ने खूब प्यार लुटाया था और उनकी प्रशंसा की थी। सामंथा की तस्वीर पर अनुष्का ने भी कमेंट करते हुए हॉटी लिखा था। देखते ही देखते अनुष्का का कमेंट भी वायरल हो गया, जिसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स अनुष्का के पति व क्रिकेटर विराट कोहली के मजे लेने लगे। अनुष्का के कमेंट के रिप्लाई में कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट किया है कि विराट भाई अपने रियल आईडी से कमेंट करो। मजाक मजाक में सोशल मीडिया यूजर्स ये कह रहे हैं कि विराट ने ही अनुष्का की आईडी से सामंथा की तस्वीर पर कमेंट किया है।

दिव्या खोसला ने आईफा में बिखेरा जलवा

भूषण कुमार की पत्नी और टी- सीरीज की मालकिन दिव्या खोसला कुमार दिखने में जितनी खूबसूरत है उतनी ही ग्लैमरस भी हैं। कई फिल्मों और वीडियो में नजर आ चुकी दिव्या का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी ग्लैमर्स तस्वीरों से भरा पड़ा है। एक्ट्रेस की हर तस्वीर आते ही मिनटों में वायरल हो जाती है। बीते दिनों एक्ट्रेस ने आईफा 2022 के ग्रीन कारपेट पर भी अपना जलवा बिखेरा और कई अलग अलग सिजलिंग लुक्स में नजर आईं।

दिव्या ने आईफा के आखिरी दिन सबसे अलग नजर आने के लिए रेड कलर का ऑफ शोल्डर गाउन चुना। इसके साथ उन्होंने ग्रीन कलर के खूबसूरत स्टोन वाली ज्वेलरी कैरी की। इस लुक में एक्ट्रेस ईवेंट में सबका ध्यान खींचने में पूरी तरह से कामयाब हुईं।

इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस ने अपना एक ग्लैमरस वीडियो भी शेयर किया है। जिसमें वे ब्लैक कलर के बिकिनी में सड़क पर वॉक करती हुई नजर आ रही हैं। उनकी यह बिकिनी नेट की है, जिसे पहन दिव्या बॉलीवुड की बड़ी बड़ी एक्ट्रेसेस को बोल्डनेस में मात देते हुए दिख रही हैं।

OZONE® FOR A SAFER WORLD | किचन और फर्निचर फिटिंग्स

22 साल से
हर स्मार्ट कारपेंटर का भरोसा

कटलरी ऑर्गनाइज़र

एर्गोटेक स्लिम ड्रॉवर सिस्टम

मैजिक कॉर्नर यूनिट

हैवी ड्यूटी बाई-फोल्ड लिफ्ट-अप सिस्टम

किचन फिटिंग्स की जानकारी के लिए, संपर्क करें:

09310012300